कानपुर के डिफेंस कारिडोर में तोप के गोले और मशीन गन की गोलियां भी बनाएगा अदाणी समूह

जागरण संवाददाता, कानपुर

अदाणी समूह के प्रमुख गौतम अदाणी ने बुधवार को डिफेंस कारिडोर में अदाणी डिफेंस एंड एयरोस्पेस कांप्लेक्स में लार्ज कैलिबर एम्युनिशन कांप्लेक्स (बड़े आकार के गोले और मशीन गन की गोलियां बनाने का प्लांट) का शिलान्यास किया। उन्होंने कांप्लेक्स की शूटिंग रेंज में फायरिंग की और पूरे प्लांट का निरीक्षण किया। लार्ज कैलिबर एम्युनिशन कांप्लेक्स को किस तरह बनाया जा रहा है, इसके माडल को देखा और अभी प्लांट में बन रही अलग-अलग आकार के कारतूस भी देखे। उन्होंने आयुध कांप्लेक्स में अधिकारियों से भविष्य की संभावनाओं पर भी बात की।

साढ़ स्थित डिफेंस कारिडोर के कानपुर नोड में पिछले वर्ष 26 फरवरी को 499 एकड़ में अदाणी डिफेंस एंड एयरोस्पेस कांप्लेक्स का शुभारंभ हुआ था। उस समय यहां हथियारों के लिए गोलियां बनाने की शुरुआत हुई थी। एक वर्ष बाद बुधवार को पहुंचे गौतम अदाणी ने पूजा-अर्चना कर लार्ज कैलिबर एम्युनिशन कांप्लेक्स का शिलान्यास किया। इसके बाद वह साढ़ स्थित अदाणी डिफेंस एंड एयरोस्पेस कांप्लेक्स पहुंचे।

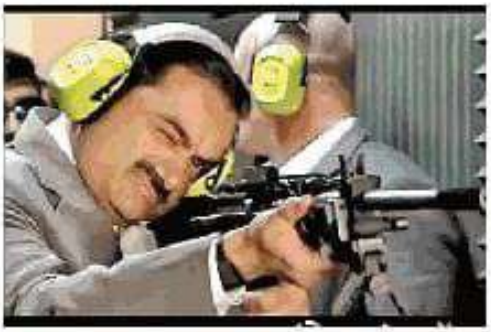

साढ़ स्थित अदाणी डिफेंस एंड एयरोस्पेस परिसर में लार्ज कैलिबर एम्युनिशन कांप्लेक्स का शिलान्यास करने के बाद प्लांट के शूटिंगरेंज में फायरिंग करते अदाणी समूह के प्रमुख गौतम अदाणी। प्रबंधन

यह है लार्ज कैलिबर एम्युनिशन : लार्ज कैलिबर एम्युनिशन बड़े आकार के गोलों और गोलियों को कहा जाता है। इसका इस्तेमाल टैंकों, तोपों, और मशीन गन जैसे हथियारों में होता है। वर्तमान में रक्षा मंत्रालय के पीएसयू एडवांस वेपंस एंड इक्विपमेंट्स इंडिया लिमिटेड (एडब्ल्यूईआइएल) के अलावा, टाटा, एलएंडटी सहित अन्य निजी क्षेत्र की कंपनियां लार्ज कैलिबर एम्युनिशन के रिसर्च एंड डेवलपमेंट के साथ उत्पादन करने में लगी हैं। कानपुर में इस तरह के गोलों के खोखे आयुध फैक्ट्री में बनते हैं।

दक्षिण एशिया का सबसे बड़ा आयुध कांप्लेक्स बनेगा : अदाणी डिफेंस एंड एयरोस्पेस दक्षिण एशिया का सबसे बड़ा आयुध केंद्र बनाने के लक्ष्य के साथ मैदान में एक वर्ष पहले उतरा था। अगले पांच वर्ष में 3,000 करोड़ रुपये के निवेश की बात भी कही गई है। कारतूस निर्माण के बाद अब यहां मिसाइल और लड़ाकू हेलीकाप्टर बनाने की तैयारी है।

****